... और नूरा नाम की दो लड़कियों ने बाबा जसवंत का साथ दिया।

लिखित

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

1. चीनी सेना का आक्रमण अरुणाचल-प्रदेश के सीमावर्ती इलाके नूरानांग में हो रहा था। क्योंकि वह एक सुंदर स्थान होने के कारण पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र था।
2. एम.एम.जी. राइफलों के कारण चीन की क्षमता ज़्यादा थी। उन्होंने भारतीय सेना पर दनादन फायरिंग शुरू कर दी। ऐसे कठिन समय में गढ़वाला राइफ़ल्स के तीन बहादुर जवानों ने दिलेरी से शत्रु का सामना किया और एम.एम.जी. को कब्ज़े में ले लिया।
3. 4 गढ़वाला बटालियन के तत्कालीन लेफ़्टिनेंट कर्नल बी.एम. भट्टाचार्य थे। उन्हें 4 गढ़वाल राइफ़ल्स की नूरानांग में तैनात बटालियन को तवांग से पीछे हटने का हुक्म मिला था।
4. चीनी सैनिकों की लगातार फ़ायरिंग के बीच जसवंत और गोपाल आगे बढ़ने लगे। त्रिलोक सिंह दुश्मन का ध्यान बँटा रहे थे। धीरे-धीरे रेंगते हुए जसवंत ने चीनी चौकी के बेहद करीब जाकर ग्रेनेड फेंका। एक घायल चीनी सैनिक ने जसवंत के सिर पर गोली मार दी और वे शहीद हो गए।
5. नूरा और सेला ने जसवंत सिंह के साथ मिलकर मोर्चा संभाला और फ़ायरिंग करती रहीं। सेला एक ग्रेनेड हमले में शहीद हो गई। नूरा ने खुद को चीनी सैनिकों से घिरा पाकर ऊँचे पहाड़ से कूदकर जान दे दी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)

1. चीनी फ़ौज के कमांडर भी जसवंत की बहादुरी का लोहा मान चुके थे। अकेले पूरी सेना को चार दिन तक रोकना, तीन सौ सैनिकों को मार गिराना आदि कारनामों को देखकर शत्रु सेना के मन में भी ऐसे बहादुर के लिए सम्मान का भाव आया होगा। इसलिए युद्धबंदी के बाद जसवंत सिंह का शव और कांस्य की मूर्ति शत्रु चीनी सेना द्वारा भारतीय सेना को लौटाई गई।
2. लड़ाई खत्म होने के बाद जब जसवंत का कोई पता भारतीय फ़ौज को नहीं चला तब उनके खिलाफ़ 'कोर्ट ऑफ़ इन्क्वायरी' शुरू कर दी गई। बाद में उनका बहादुरी, शत्रु से मुकाबला करके शहीद होने के तथ्य सामने आए।
3. माना जाता है कि जसवंत आज भी ड्यूटी पर हैं। वे आज भी सरहदों की रखवाली कर रहे हैं। कई बार पॉलिश किए जूतों में कीचड़ मिलता है, बिस्तर की चादर पर सिलवटें मिलती हैं जैसे कोई वहाँ सोया हो। आज भी कोई जवान अपनी ड्यूटी पर सो जाता है तो जसवंत सिंह उसे थप्पड़ मारकर जगा देते हैं।
4. जसवंत की स्मारक नूरानांग में स्थित है जहाँ वे शहीद हुए थे। वहाँ चीन द्वारा भेंट की गई मूर्ति भी रखी गई है। अब उन्हें 'बाबा जसवंत' कहा जाता है। स्मारक में उनके बिस्तर, कपड़े, जूते आदि रखे गए हैं। भारतीय सैना के जवान उन्हें शीश झुकाने के बाद ही ड्यूटी पर जाते हैं। भारतीय फ़ौज और स्थानीय नागरिक यह मानते हैं कि बाबा जसवंत आज भी इस इलाके की रखवाली करते हैं। भारतीय सरकार ने उस पोस्ट को जसवंतगढ़ नाम दिया है।

भाषायी घटक (Linguistic Components)

1. दिए गए खाली स्थानों में ऐसे मुहावरे लिखिए जिनमें शरीर के किसी न किसी अंग का नाम आया हो—

....नाक में दम करना....

....हाथ मलना....

....आँखों का तारा....

....कान पर जूँ न रेंगना....

2. पाठ से लिए गए इन शब्दों में से उपसर्ग, प्रत्यय और मूल शब्द अलग करके लिखिए—

ऊँचाई — ....ऊँच + आई....
सम्मान — ....सम् + मान....
स्थानीय — ....स्थान + ईय....
बेहद — ....बे + हद....
भारतीय — ....भारत + ईय....

परिस्थिति — ....परि + स्थित + इ....
अरुणाचली — ....अरुणाचल + ई....
विफल — ....वि + फल....
प्रतिरोध — ....प्रति + रोध....
खतरनाक — ....खतरा + नाक....

3. निम्नलिखित वाक्यों में कारक की अशुद्धि को रेखांकित करके दिए गए स्थान पर शुद्ध रूप लिखिए—

क. चीनी सैनिकों <u>के अंदर</u> डर समा गया। ....में....
ख. जसवंत पहाड़ी <u>से</u> पीछे बैठकर निशाना लगाते रहे। ....के....
ग. स्मारक <u>पर</u> बाबा की मूर्ति रखी हुई है। ....में....
घ. दोनों बहनें जसवंत <u>का</u> भोजन लातीं। ....के लिए....
ङ <u>अरे</u>! हमें शहीदों पर नाज़ है। ....धन्य, वाह....

4. कोष्ठकों में दिए गए उचित विकल्पों पर ✓ का निशान लगाइए— (MCQs)

क. भारत (और ✓ / या / अथवा / तथा) चीनी सैनिकों ने युद्धबंदियों की अदला-बदली की।
ख. तीन बार चीनी हमले किए गए (और / परंतु ✓ / या / अथवा) भारत ने उन्हें नाकाम कर दिया।
ग. जसवंत ने विवाह से इनकार किया (इसलिए / क्योंकि ✓ / बल्कि / अगर) वे विवाहित थे।
घ. (वाह! ✓ / हैं! / अरे! / ओह!) गांधी जी का प्रयोग सफल रहा।
ङ (धिक्कार! / क्या कहने! ✓ / हाय! / छि:!) देशप्रेम हो तो जसवंत बाबा जैसा।
च. (सावधान! ✓ / हाय! / अरे! / ओह!) शत्रु इसी दिशा में आ रहा है।

5. निम्नलिखित वाक्यों के कोष्ठकों में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प पर ✓ का निशान लगाइए—

क. वे शीश झुकाने के बाद ड्यूटी पर जाते हैं। (संबंधबोधक✓ / क्रियाविशेषण)
ख. जवानों को पीछे हटने का हुक्म हुआ। (संबंधबोधक / क्रियाविशेषण✓)
ग. स्मारक के अंदर उनका सामान है। (क्रियाविशेषण / संबंधबोधक✓)

घ. यहाँ एक सुंदर झरना है। (विशेषण / क्रियाविशेषण✓)

ङ. वे आगे नहीं बढ़ सकते थे। (संबंधबोधक / क्रियाविशेषण✓)

च. उन्हें जल्दी ही पता चल गया। (संबंधबोधक / क्रियाविशेषण✓)